

वार्तालाप नं.741, फर्टिलाइज़र (उडीसा) भाग-2, दिनांक 9.4.09

Disc.CD No.741, dated 9.4.09 at Fertilizer (Orissa), Part-2

समय: 03.35-05.35

जिज्ञासु –बाबा अव्वल नं. मनुष्य का धर्मगुरु है ब्रह्मा। कृष्ण वाली आत्मा। फिर वो बाप को समझते नहीं हैं। और फिर बाबा अपने बापदादा कहते हैं-2; बाप हर टाइम दादा का नाम ऊपर करते हैं।

बाबा –एक होता है – नहीं समझता है, और एक बच्चा होता है, समझता है। जो समझता है वो समझने के बावजूद भी उल्टा काम करता है और जो नहीं समझता है, बेसमझ बच्चा है वो भी उल्टा काम करता है। तो ज्यादा दंड का भागी कौन हुआ? जो समझ कर के भी उल्टा काम करता है।

Time: 03.35-05.35

Student: Baba, the number one human religious *guru* is Brahma, the soul of Krishna. But he does not understand the Father. But Baba.....says, 'Bapdada says....Bapdada says'; Baba gives importance to Dada's name every time?

Baba: One kind [of child] is such that he does not understand; and the other [kind of] child is such that he understands. The one who understands acts in an opposite way despite understanding and the one who does not understand, the child who is ignorant, performs opposite actions, too. So, who is liable to more punishment? The one who performs opposite actions despite understanding [is liable to more punishment].

जिज्ञासु— यज्ञ के आदि में पहचाना नहीं, वो लाश गुम करने में वो पार्टी में शामिल है।

बाबा— ठीक है।

जिज्ञासु— फिर अभी भी बाप के पास पढ़ाई करते हैं, सबकुछ करते हैं लेकिन समझता नहीं है बाप को। फिर भी भागते हैं इधर-उधर।

बाबा— हाँ, ठीक है।

जिज्ञासु— फिर भी बाप उनको क्यों आगे रखते हैं? ये दादा तुम्हारा हैं।

बाबा –तो बच्चा बुद्धि रुद्रमाला के बच्चों को कहें या कृष्ण की आत्मा को बच्चा बुद्धि कहें?

जिज्ञासु – कृष्ण की आत्मा को।

बाबा – इसलिए वो बच्चा जब एक बार समझ जायेगा तो धारणा में सबसे आगे जायेगा। बच्चा ही बाप का नाम प्रत्यक्ष करेगा।

Student: He (Brahma) did not recognize in the beginning of the *yagya*; he was involved with the [people of the] party involved in hiding the corpse [of the partner].

Baba: Its correct.

Student: Even now he studies from the Father, he does everything, but he does not understand the Father; still, he runs here and there.

Baba: Yes, it is correct.

Student: Despite that why does the Father keep him ahead? [Baba says] this Dada is your.....

Baba: So, should the children of *Rudramala* (the rosary of Rudra) be said to have a child-like intellect or should the soul of Krishna be said to have a child-like intellect?

Student: The soul of Krishna.

Baba: This is why, once that child understands he will go ahead of everyone in inculcation. The child himself will reveal the name of the Father.

समय: 6.52–08.00

जिज्ञासु – बाबा सिक्ख धर्म में पाँच प्यारों का जो गायन है।

बाबा – हाँ, हिन्दू धर्म में पाँच पाण्डवों का गायन नहीं है क्या?

जिज्ञासु— है बाबा।

बाबा— तो ऐसे ही पाँच प्यारों का सिक्ख धर्म में गायन है। जो त्याग स्वरूप होते हैं, वही पाँच प्यारे बनते हैं।

जिज्ञासु – बाबा अष्टदेवों में और पाँच प्यारों में क्या फर्क है ?

बाबा –जो पाँच धर्म हैं पहले—2, वही पंच प्यारे हैं। उनमें दो हैं सूर्यवंश और चंद्रवंश के मुख्य और तीन हैं इस्लाम वंश, बौद्धी वंश और क्रिश्चियन वंश। ये पंच प्यारे हैं।

Time: 6.52-08.00

Student: Baba, 'paanch pyare' (five dear ones) are famous in Sikhism.

Baba: Yes, aren't the five Pandavas famous in Hinduism?

Student: Baba, it is there.

Baba: So, similarly, *paanch pyare* (five dear ones) are famous in Sikhism. Those who are personifications of sacrifice, they themselves become the five dear ones.

Student: Baba, what is the difference between the eight deities (*ashta dev*) and the five dear ones?

Baba: The first five religions are the five dear ones. Among them the two main ones are [from] the Sun Dynasty (*Suryavansh*) and the Moon Dynasty (*Chandravansh*) and the remaining three are [from] the Islam dynasty, the Buddhist dynasty and the Christian dynasty. These are the five dear ones.

समय: 08.05–11.31

जिज्ञासु – बाबा हम वायब्रेशन को ब्राह्मणों की भाषा में तीन भागों में डिवाइड कर सकते हैं ना। मन्सा का वायब्रेशन, वाचा का वायब्रेशन, कर्मणा का वायब्रेशन। कर सकते हैं?

बाबा – वायब्रेशन मन से बनता है। वाचा से वायब्रेशन नहीं बनता है, बिगड़ता है।

जिज्ञासु – परंतु वाचा में जो चीज़ आने वाली होती है तो पहले मस्तिष्क में आती है।

बाबा – भले आती है, लेकिन जब वाचा में आती है तब वायब्रेशन बिगड़ जाता है।

Time: 08.05-11.31

Student: Baba, in Brahmins' terminology, we can divide the vibrations into three categories, can't we? Vibrations of the mind, vibrations of the words, vibrations of the actions, can't we [do so]?

Baba: Vibrations are created through the mind. Vibrations are not created through the words. They are damaged [through words].

Student: But whatever has to come in words, first of all it comes in the mind.

Baba: Although it emerges [in the intellect], when it is expressed as words, the vibrations are spoiled.

जिज्ञासु – और मौन रहकर के जो कर्मणा की जाती है, उसको देखकर भी कोई आत्मा प्रेरित होती है, हम भी कुछ सेवा करे बाबा की; वो भी तो वायब्रेशन में हो सकती है?

बाबा— जो भी कर्मणा से कर्म करेंगे, अगर मन एक्राग नहीं है तो वायब्रेशन बिगड़ेगा जरूर। कर्मेन्द्रियाँ नीची स्टेज वाली हैं और ज्ञानेन्द्रियाँ ऊँची स्टेज वाली हैं और उन दोनों से ऊँची स्टेज वाला है मन। वो मन की पावर से राधा—कृष्ण जैसे बच्चों की पैदाईश हो सकती है, तो वायब्रेशन से क्या नहीं हो सकता है?

Student: And the service through actions which we perform by remaining silent, some soul also receives inspiration on seeing that [and think] we also should do some service of Baba; [then] can that be included in [service through] vibrations too?

Baba: Whatever actions we perform, if the mind is not focused, the vibrations will definitely spoil. The organs of action (*karmendriya*) have a lower stage and the sense organs (*gyanendriya*) have a higher stage, and the mind has a stage higher than both of them. When children like Radha and Krishna can be born through the power of the mind, what can't be possible through vibrations?

जिज्ञासु – यही प्वाइन्ट बाबा पूछना था कि वायब्रेशन से कैसे बच्चा पैदा हो सकते हैं और कैसे वायब्रेशन होंगे?

बाबा – देह का स्मृति में नामनिशान नहीं होगा। देह की कर्मेन्द्रियों का आकर्षण का नामनिशान नहीं होगा। इसलिए लक्ष्मी-नारायण के चित्र में.... लक्ष्मी-नारायण का चित्र दिखाया गया है। एक दूसरे के ऊपर आकर्षित हुए दिखाये गये हैं?

जिज्ञासु— नहीं।

बाबा— पास-पास भी खड़े हैं लेकिन एक-दूसरे का इन्द्रियों से कोई भी आकर्षण नहीं है। और सतयुग के राधा-कृष्ण का? इन्द्रियों में श्रेष्ठ इन्द्रियाँ – ज्ञानेन्द्रिय, और ज्ञानेन्द्रियों में भी श्रेष्ठ इन्द्रियाँ – आँख, और आँख के आकर्षण से वो आत्मायें अपने को परे नहीं रख पाती। इसलिए उनमें जो मुख्य आत्मा है – कृष्ण की आत्मा – वो धर्मगुरुओं की लिस्ट में आ जाती हैं। बाप समान निराकारी स्टेज को धारण नहीं कर पाती और रामवाली आत्मा शिवबाप समान निराकारी स्टेज को धारण कर लेती है। उसे कोई भी इन्द्रिय के आकर्षण का सुख का लोभ आकर्षित नहीं कर सकता। ऐसी स्टेज अंत में प्राप्त कर लेती है।

Student: Baba, this is the point that I wanted to ask as to how can the children be born through vibrations and what kind of vibrations will it be?

Baba: There will not be any name and trace of body in the remembrance. There will not be any name and trace of attraction of bodily organs of action. This is why, in the picture of Lakshmi-Narayan.....the picture of Lakshmi-Narayan has been depicted. Have they been shown to be attracted towards each other?

Student: No.

Baba: They are standing close to each other, yet there is no attraction of the organs between them. And what about Radha and Krishna of the Golden Age? The righteous organs among all the organs, are the sense organs and the righteous organs among the sense organs, are the eyes, and those souls are unable to keep themselves beyond the attraction of eyes. This is why the main soul among them, i.e. the soul of Krishna is included in the list of the religious *gurus*. It is unable to attain the incorporeal stage like the Father but the soul of Ram attains the incorporeal stage like the Father Shiv. The greed of pleasure of attraction of no organ can attract him (the soul of Ram). He attains such a stage in the end.

समय: 11.35—12.27

जिज्ञासु –बाबा लौकिक दुनिया में अपने बच्चा-बच्ची बड़े हो जाते हैं, माँ-बाप जोड़ी बना देते हैं और शादी करा देते हैं। तो हमारे अलौकिक दुनिया में, बेहद की दुनिया में बेहद के माँ-बाप बच्चा-बच्ची को जोड़ी कैसे बनाते हैं?

बाबा –यहाँ पुरुषार्थ के आधार पर बड़े बनते हैं या दुनियावी आधार पर बड़े बनते हैं?

जिज्ञासु— पुरुषार्थ के आधार पर।

बाबा— पुरुषार्थ है चार सब्जेक्ट्स का। ज्ञान, योग, धारणा और सेवा। इन चार सब्जेक्ट्स की धारणा में जो पहले-2 बच्चे बड़े बनते हैं – लक्ष्मी-नारायण, उनकी शादी करा देते हैं। दुनिया भी उन्हीं को फॉलो करती है।

Time: 11.35-12.27

Student: Baba, when children grow up in the outside world (*lokik* world), the parents look for a match for them and arrange their marriage. So, in our *alokik* world, in the unlimited world, how do the unlimited parents make a match for their sons and daughters?

Baba: Do children grow up here on the basis of *purusharth* (special effort for the soul) made by them or on the worldly basis (i.e physical age)?

Student: On the basis of *purusharth*.

Baba: The *purusharth* is of four subjects. Knowledge (*gyan*), *yog*, inculcation [of virtues] (*dharna*) and service (*seva*). The children who grow up in making attainments in these four subjects before everyone else, i.e. Lakshmi and Narayan are married off. The world follows them, too.

समय:12.30—16.11

जिज्ञासु— बाबा जो दुराचारी राजा होते हैं उनके राज्य में दुर्भिक्ष पड़ता है। इसका बेहद में अर्थ क्या है?

बाबा— यहाँ भी जो दुराचारी हैं, आचरण जो है, दुष्ट आचरण करने वाले हैं। बाबा रोज—2 समझाते हैं वाचा से अथवा कर्मन्द्रियों से कोई को दुःख नहीं देना है। रोज बताते हैं ना? और यहाँ राजायें बनने वाले सारे बैठे हुए हैं। राजयोग सीख रहे हैं। वो दुराचार करना छोड़ रहे हैं क्या? 70 साल से ऊपर हो गये। दुराचारी बनना छोड़ा है? तो उनको ज्ञान का जल और अन्न का, याद की शक्ति अंत तक मिलनी चाहिए या नहीं मिलनी चाहिए?

Time: 12.30-16.11

Student: Baba, the kingdoms of wicked kings face famine; so, what does it mean in an unlimited sense?

Baba: All those who are wicked here, those who perform evil acts, Baba explains everyday: you should not give sorrow to anyone through words or through organs of action. He tells you everyday, doesn't He? And everyone sitting here is going to become a king. They are learning *Rajyog*. Are they renouncing wicked acts? More than 70 years have passed. Have they stopped becoming evil? So, should they receive the water of knowledge and the food [i.e.] the power of remembrance till the end or not?

जो अपने दुराचार को नहीं छोड़ेंगे तो दुर्भिक्ष पड़ेगा। ऐसा दुर्भिक्ष पड़ेगा कि न पानी की एक बूँद मिलेगी। क्या? अभी तो जहाँ—तहाँ बरसात होती रहती है। अभी तो जो आँखों से देखने में आता है, कानों से सुनने में आता है, हाथ से स्पर्श करने में आता है, इन्द्रियों से अनुभव करने में आता है; वो देखा हुआ, सुना हुआ याद भी आता है। फिर क्या होगा? फिर बोला है, अपने बच्चों से ही मिलेंगे और जो बच्चे नहीं बने हैं उनसे मिलना बंद हो जावेगा। तो दुर्भिक्ष पड़ेगा या नहीं पड़ेगा? पड़ेगा। लेकिन फिर भी बाप की शर्त है, मेरे बच्चे भूख नहीं मरेंगे। तो कितने बच्चे होंगे बाप के जो भूख नहीं मरेंगे? जो अभी भी दुराचारी नहीं होंगे। उन्हें परवाह नहीं होगी, किस बात की? कि दूसरे लोग हमको ज्ञान सुनायें, कानाफूसी हमारे साथ करे। हमें अच्छा—2 भोजन मिले, अच्छे—2 पदार्थ मिले, बढ़िया सी साड़ी मिले, अच्छी—सी चप्पल मिले, टूथ पाऊंडर मिले। तो श्रीमत को जो फॉलो करने वाले है आठ, उनके ऊपर दुर्भिक्ष का कोई असर नहीं होगा और बाकी के ऊपर नम्बरवार असर जरूर होगा।

If they (kings) do not give up their wickedness, they will have to face famine. They will have to face such a famine that they will not get even a drop of water. What? Now rainfall is experienced at different places. Now, whatever you see through the eyes, whatever you hear through the ears, whatever you touch through the hands, whatever you experience through the organs, those scenes and words come in your memory as well. What will happen in future?

Then it has been said, [Bapdada] will meet only his children and He will stop meeting those who have not become his children. So, will there be a famine or not? There will be. But even so, there is a condition of the Father: My children will not die of hunger. So, how many children of the Father will not die of hunger? Those who are not wicked even now, they will they not worry; about what? [They will not worry:] other people should narrate knowledge to us; they should whisper something in our ears. We should get good quality food, we should get nice things, we should get nice sarees, we should get nice slippers; we should get tooth powder. So, the eight who follow *Shrimat* will not be affected by famine and the rest will definitely be affected [by famine] numberwise.

समय:19.05—19.53

जिज्ञासु –बाबा, बाबा ने बताया है कि इस दुनिया का विनाश के लिए, पापियों का पाप बढ़ाने का रहम करने आया हुआ हूँ, क्योंकि बच्चों में इतनी शक्ति नहीं है जो इतना पाप कर सकें और पाप में सबसे बड़ा पाप है बाबा ने बताया काम विकार। जिससे पतन ज्यादा होता है। और दूसरी शब्दों में बाबा ने बोला है कि बाप का एवरप्योर का भी पार्ट है। तो इसको कैसे समझा जा सके? कैसे वो पापियों का पाप बढ़ायेंगे और इधर, एक तरफ बोले है, एवरप्योर भी है?

बाबा – एवरप्योर आठ की दृष्टि में है या पापियों की दृष्टि में है?

जिज्ञासु – आठ की दृष्टि में।

बाबा – जवाब मिल गया। पापियों का पाप बढ़ायेगा।

जिज्ञासु – बाबा क्या आठ से ज्यादा लिस्ट नहीं हो सकती?

बाबा— अपना नम्बर ले लो।

Time: 19.05-1953

Student: Baba, Baba has said, I have come to show mercy of increasing the sins of the sinful persons in order to destroy the world because you children do not have the power to commit sins to such an extent and the biggest sin among all sins is lust as said by Baba. It leads to greater downfall. But in other words Baba has said that the Father also plays the part of being ever pure. So, how should we understand this? How will He increase the sins of the sinful ones and on the other side He has also said, He is ever pure?

Baba: Is He ever pure in the eyes of the eight or in the eyes of the sinful ones?

Student: In the eyes of the eight.

Baba: You got the answer. He will increase the sins of the sinful ones.

Student: Baba, can't the list [of those who consider the Father to be ever pure] include more than eight?

Baba: Take your number.

समय:19.56—20.48

जिज्ञासु – महाकाली का पार्ट कबसे शुरू होगा?

बाबा – बहुत से पूछते हैं, वो धर्मराज का पार्ट कब शुरू होगा? हम भी तो इंतजार कर रहे हैं।

जिज्ञासु – किस प्रकार के अनिश्चय हो जायेंगे?

बाबा— अभी बेसिक में जो धर्मगुरु हैं वो किस प्रकार से अनिश्चय में ला रहे हैं? ग्लानी करते हैं और अनिश्चय में लाते हैं। तो ऐसे ही महाकाली भी क्या करेगी? ग्लानी करेगी। लम्बी जीभ वाली हैं। खूब बोल—2 करेगी।

Time: 19.56-20.48

Student: Since when will the part of *Mahakali* (the goddess who kills the demons) begin?

Baba: Many people ask as to when the part of *Dharmaraj* (the Chief Justice) will begin. We are waiting, too.

Student: How will they lose faith?

Baba: How are the religious *gurus* in the basic [knowledge] creating doubt [in the mind of Brahmins] at present? They defame [the Father] and create doubt. So, similarly, what will *Mahakali* do as well? She will defame [the Father]. She has a long tongue (she is a great talker). She will speak a lot.

समय: 21.44–22.35

जिज्ञासु— बाबा मुरली में आया कि किसी के बिस्तर पर बैठना ये भी चोरी है।

बाबा— हाँ।

जिज्ञासु— कैसे?

बाबा — संग का रंग नहीं लगता है? उस बिस्तर में कोई की गंदगी भरी हो सकती है या नहीं हो सकती? तो उसका वायब्रेशन अटैक नहीं कर सकता है? कर सकता है।

जिज्ञासु — बाबा, सेवा में जाते है, गाड़ी में जाते है....जनरल में जाना पड़ता है। अपवित्र आत्मा से अनजाने में छुना भी हो जाता है, उनका संग लग जाता है, वो अपवित्र कहा जायेगा या नहीं?

बाबा — तो रिजर्वेशन करा के जाओ ना।

जिज्ञासु — परंतु बाबा, कम खर्चा बाला नशीन.... सेवा के लिए जाने से, रिजर्वेशन में ज्यादा चार्ज पड़ता है इसलिए जनरल में.....

बाबा— तो बाबा की याद में जाओ ना।

Time: 21.44-22.35

Student: Baba, it has been mentioned in *Murli* that sitting on somebody's bed is also a theft.

Baba: Yes.

Student: How?

Baba: Aren't we coloured by the company? Can the bed contain someone's dirt or not? So, can't his vibrations attack? It can.

Student: Baba, when we go for service, we go by train.... we have to travel in the general coach [of the train], we are touched by impure souls unknowingly, we are coloured by their company; will that be called impurity or not?

Baba: So, travel by reservation, can't you?

Student: But Baba, more service should be done with less expenditure' (*kam kharch baala nashin*)..... when we go for service by reservation, we have to pay more charges. That is why, going in general [coach].....

Baba: So, travel in Baba's remembrance, can't you?

समय: 23.36–25.24

जिज्ञासु — बाबा भक्तिमार्ग के जो ब्राह्मण कुल हैं, वो दिन और वार को देखकर के अस्वच्छ कार्य करते हैं जैसे बाल काटना हो गया, नाखून काटना हो गया, फिर नहाते हैं। तो ब्राह्मण जीवन में इसको पकड़ा जाये कि नहीं? जैसे गुरुवार हो गया, मंगलवार और सोमवार हो गया; इस दिन ये कार्य नहीं करना चाहिए क्योंकि ये दिन तो हम लोगों का, ब्राह्मण आत्मा जो श्रेष्ठ आत्मा हैं उनका यादगार का दिन है।

बाबा — ये मंगलवार, बुधवार, ये बनाये किसने?

जिज्ञासु — मनुष्यों ने। तो इसे पकड़ना तो भक्तिमार्ग कहा जाता है ना?

बाबा —हाँ जी।

Time: 23.36-25.24

Student: Baba, the [people of the] Brahmin clan in the path of *bhakti* (devotion) perform the unclean tasks, like getting their hair cut, cutting their nails by seeing the day and date and then they take bath. So, should we follow this is our Brahmin life or not? For example, these tasks should not be performed on Thursdays, Tuesdays, and Mondays because these days are memorials of we Brahmin souls who are righteous souls.

Baba: Who created these [practice of considering] Tuesdays, Wednesdays?

Student: The human beings. So, to follow this is called the path of *bhakti*, isn't it?

Baba: Yes.

जिज्ञासु – और बाबा, ये कार्य करने के बाद नहाना चाहिए या नहीं नहाना चाहिए? लेट्रिन जाने के बाद तो नहाना चाहिए। लेकिन ये बाल काटने के बाद या शेविंग करने के बाद ये सब करना चाहिए या नहीं? क्योंकि जो बाहर की दुनिया के जो ब्राह्मण हैं वो इसको बहुत मानते हैं और ओपोज भी करते हैं।

बाबा – बाहरी पवित्रता का उतना महत्व नहीं है जितना अंदरूनी पवित्रता का महत्व है। अभी हम ब्राह्मण की स्टेज में हैं। ब्राह्मणों का संकल्प बहुत महत्व रखता है। संकल्पों का भोजन बहुत शुद्ध होना चाहिए। दुनिया के जो वैष्णव होते हैं वो भी बाहरी पवित्रता बहुत धारण करते हैं। इतनी बाहरी पवित्रता धारण करते हैं जितना आज के ब्राह्मण भी धारण नहीं करते। परंतु वो पतित से पावन नहीं बनते हैं।

Student: And Baba, should we take bath after performing these tasks or not? We should definitely bathe after defecating. But should we do all this (bath) after a haircut or after shave because the Brahmins of the outside world have a lot of faith on these things and they also oppose [if the above practice of bathing is not followed].

Baba: The external purity is not as important as the inner purity. Now we are in a stage of being Brahmins. The thoughts of Brahmins have a great importance. The food of thoughts should be very pure. The Vaishnavites of the [outside] world also practice a lot of external purity. They practice external purity to such an extent than even today's Brahmins don't practice it so much. But they do not transform from impure ones to pure ones.

समय: 30.31–34.23

जिज्ञासु – बाबा स्वर्ग में जो तीन परी दिखाते हैं ऊर्वशी, मेनका और रंभा। तो ऊर्वशी इंद्रसभा में नृत्य करती हैं। तो ऊर्वशी कौन हैं?

बाबा – 'ऊर' माना हृदय और 'बसी' माना बस गई। जो दिल में बस गई। कहाँ बस गई? दिल में बस गई और जो दिल में बैठ जाता है, दिलतख्त पर बैठ जाता है, वो सबसे ऊँची स्टेज में होता है या दुसरे ऊँची स्टेज में होते हैं? जो दिल में बैठ जाता है। और बाप के दिल पर कौनसे बच्चे चढ़ते हैं?

जिज्ञासु – सर्विसेबुल।

बाबा— सर्विसेबुल बच्चे जो हैं, वो बाप के दिल पर चढ़ते हैं। तो सर्विसेबुल बच्चों के बीच में कौनसा बच्चा है जो बाप के दिल पर सबसे जास्ती चढ़ता है सर्विस के आधार पर? गंगा। तो सर के ऊपर चढ़ा लेते हैं प्यारे बच्चों को। वो हो गई ऊर्वशी।

Time: 30.31-34.23

Student: Baba, three fairies are shown in heaven - *Urvashi*, *Menaka* and *Rambha*. So, *Urvashi* is a dancer in Indra's Court (*Indrasabha*); so, who is *Urvashi*?

Baba: 'Ur' means heart; 'basi' means occupied; the one who occupied the heart. Which place did she occupy? She occupied the heart and the one who sits in the heart, the one who sits on the heart throne, is he in the highest stage or are the others in higher stage? The one who sits in the heart [is in the highest stage]. And which children ascend the Father's heart?

Student: Serviceable [ones].

Baba: Serviceable children ascend the Father's heart. So, which child among the serviceable children ascends the Father's heart more on the basis of service? Ganga. So, He makes the dear children sit on His head. She happens to be *Urvashi*.

जिज्ञासु – रंभा का मतलब बाबा?

बाबा – रमण कराने वाली लेकिन 'भा'। बहुत शोभायमान है। वो हो गई रंभा। सबको बहुत अच्छी लगती है। जिसके लिए बोला है, लक्ष्मी तो सिर्फ धन की ही पूर्ति करती है लेकिन जगदम्बा सब मनोकामनायें पूरी करती है। तो सब मनुष्यों को कौन अच्छी लगेगी? जगदम्बा अच्छी लगती है। इसलिए उसका बहुत बड़ा मेला लगता है।

जिज्ञासु – तो बाबा, गंगा, यमुना, सरस्वती ये तीन आत्माओं का नाम ऊर्वशी, मेनका, रंभा है।

बाबा – एक हुई ऊर्वशी, एक हुई रंभा और तीसरी मेनका। जैसे 'अमेरिका', इसका अर्थ बाबा ने बताया आ, मेरे का। आ जाओ मेरे पास। मेरे हो क्या? इसका मतलब टॉन्ट मार दिया। दूर क्यों खड़े हो? मेरे पास आने में ठिठकते क्यों हो? आओ मेरे हो क्या? तो नज़दीक आयेगा या और दूर खड़ा हो जायेगा? क्या होगा? ओर दूर चला जाता हैं। ये गति मेनका की हैं। मेनका; 'मेन' माना मुख्य। मुख्य देवी हो क्या? माना मुख्य नहीं हैं। दूर जाने वाली हैं। मेनका भी अच्छा डान्स करती है। ज्ञान डान्स की बात है ना। लेकिन भगवान से दूर चली जाती है। इसलिए उसका नाम पड़ गया मेनका।

Student: Baba, what is meant by *Rambha*?

Baba: The one who makes others delight (*raman*), but '*bha*'; the one who is very beautiful. She is called *Rambha*. Everyone likes her a lot. It has been said for her, Lakshmi fulfils the desires of wealth only, but *Jagdamba* fulfils all the desires. So, who will be liked by everyone? Everyone likes *Jagdamba*. This is why a very big fair is organized in her honour.

Student: So Baba, are Ganga, Yamuna, Saraswati [rivers] named as *Urvashi*, *Menaka*, *Rambha*.

Baba: One is *Urvashi*, the second is *Rambha* and the third is *Menaka*. For example, Baba has said the meaning of 'America' as '*aa mere ka*'. Come near me. Are you mine (*mere ho kya*)? It means, He taunted. Why are you standing at a distance? Why do you hesitate to come near me? Come, are you mine? Will he come near or stand far away? What will happen? He goes further away. This is the act of *Menaka*. *Menaka*; '*Men*' means main. Are you the main *devi* (female deity)? It means, she is not the main one. She is the one who goes far away. *Menaka* also dances well. It is about the dance of knowledge, isn't it? But she goes far away from God. This is why she received the name *Menaka*.

समय: 34.26–37.04

जिज्ञासु— बाबा योगिनी बहन को, सूर्यवंशी की माँ को पटरानियों में से एक रानी कहेंगे तो सही होगा?

बाबा – क्यों नहीं।

जिज्ञासु – ये पटरानियों में से उनका शास्त्रों की बात से सत्यभामा कहने से हो सकता है? क्योंकि जामवन्ती तो सिक्ख धर्म से आई हुई माता को कहेंगे।

बाबा – जो सत्य में भई माँ वो सत्यभामा। जो माँ बनकर के सबकी सच्ची—2 पालना करे।

जिज्ञासु— बाबा, वो कौनसी माँ को कहते हैं?

बाबा— जो सच में सबकी पालना करे। सच्ची—2 माँ बने, वो सत्यभामा। सत्य में हुई माँ।

Time: 34.26-37.04

Student: Baba, will it be correct to say that sister *Yogini* i.e. the mother of the *Suryavanshis* (those of the Sun dynasty), is one queen among the principal wives of the king (*patrani*)?

Baba: Why not?

Student: Will it be o.k., if we call her *Satyabhama* as per the *patranis* [of Krishna] mentioned in the scriptures? Because the mother who has come from Sikhism will be called *Jamvanti*.

Baba: The one who became the mother truly is *Satyabhama*. [She is] the one who gives true sustenance to everyone in the form of a mother.

Student: Baba, which mother is called so?

Baba: The one who actually sustains everyone. The one who becomes the true mother is *Satyabhama*. She is the mother in truth.

जिज्ञासु – वो राधा तो नहीं हुई ना...कन्ययूजन लग रहा है थोड़ा।

बाबा – कन्ययूजन इसलिए नहीं है कि जगदम्बा तो महाकाली बनकर के सबका संघार कर देती है। वो माँ नहीं हुई। मेनका माँ नहीं है क्योंकि दूर चली गई। ये जो आठ पटरानियाँ दिखाई गई हैं चाहे रुक्मिणी हो और चाहे कोई भी पटरानी हो, उनमें सत्य माँ बनने वाली वो हैं जो अंत में सबका उद्धार करती हैं।

जिज्ञासु— वो विदेशियों की माँ नहीं हैं?

बाबा— वो तो विदेशियों का ही उद्धार करेगी।

जिज्ञासु— विदेशियों की माँ विदेशियों का उद्धार करेगी।

बाबा – स्वदेशियों की माँ स्वदेशियों का उद्धार करेगी, विदेशियों का नहीं करेगी। लेकिन जो सबका उद्धार करे। जो स्नान करे, उसका उद्धार करे। इसलिए सत्यभामा।

Student: She isn't Radha, is she?....There seems to be some confusion.

Baba: There is no confusion because *Jagdamba* destroys everyone after becoming *Mahakali*. She is not the mother. *Menaka* is not the mother because she went far away. Among these eight *patranis* which have been shown, whether it is *Rukmani* or any other *patrani*, the one who uplifts everyone in the end is the one who becomes the true mother.

Student: Is she not a mother of the foreigners?

Baba: She will uplift only the foreigners (*videshis*).

Student: The mother of the foreigners will uplift the foreigners.

Baba: The mother of the *swadeshis* (those of Indian origin) will uplift the *swadeshis*, not the *videshis* (foreigners). But the one who uplifts everyone, the one who uplifts whoever takes the bath [of knowledge] in it (the living river). That is why, she is *Satyabhama*.

समय: 01.03.40 – 01.05.33

जिज्ञासु— बाबा वो सत्यभामा का पार्ट क्लीयर नहीं हुआ। वो पटरानियों में से है सत्यभामा।

बाबा – हाँ। सत्य किसे कहेंगे? महारानी को पटरानी नहीं कहेंगे। पटरानियों में सच्ची माँ कौन है?

जिज्ञासु— चंद्रवशी ही। सूर्यवंशियों का सपोर्ट करती है इसलिए दूसरों के मुकाबले सच्ची कह सकते हैं।

बाबा— हाँ, लेकिन सच्चा कहेंगे? सच्चे का विनाश होता है?

जिज्ञासु— नहीं होता है।

Time: 01.03.40 – 01.05.33

Student: Baba, the part of *Satyabhama* is not yet clear; she is one of the *patranis*.

Baba: Yes, who will be called truth? The empress (*maharani*) will not be called *patrani*. Who is the true mother among the *patranis*?

Student: It is [the mother of] the *Chandravanshis* who supports the *Suryavanshis*. That is why she can be said to be true when compared to others.

Baba: Yes, but will she be called true? Is truth destroyed?

Student: No, it isn't.

बाबा – सारी पृथ्वी का विनाश होता है। पृथ्वी सारी की सारी तामसी स्टेज में जाती हैं। लेकिन पृथ्वी का एक ऐसा हिस्सा शास्त्रों में दिखाया है, जो पाताल लोक में जाने से छिटक जाता है। वो कौनसा हिस्सा है?

जिज्ञासु – चंद्रमा।

बाबा– नहीं। चंद्रमा तो घटता-बढ़ता है। अंधेरा हो जाता है। शंकर की प्यारी नगरी कौनसी है?

जिज्ञासु– काशी नगरी।

बाबा– वो अविनाशी नगरी है।

Baba: The entire Earth is destroyed. The entire Earth attains a degraded (*tamsi*) stage. But it has been shown in the scriptures that there is such a portion of Earth which separates out when it goes down to the *paatal lok* (the nether world). Which is that portion?

Student: The Moon.

Baba: No. The Moon decreases and increases in size. It becomes dark. Which city is dear to Shankar?

Student: The city of *Kashi* (a place in Benaras, in Uttar Pradesh).

Baba: It is an imperishable city.

समय: 39.27–41.51

जिज्ञासु – बाबा मुरली में बोला हैं क्लास में आकर सामने बैठकर और झुटका खायेगा और ऐसा भी समय आयेगा उसको पीछे बैठाया जायेगा।

बाबा – हाँ। अभी ऐसे नहीं हैं, जो बाप के सामने बैठते हैं लेकिन सामने बैठे-2 भी..... (झुटका खाते हैं)। बाप की दृष्टि भी सामने रहती है और देखते-2 फिर डाऊन। अभी नहीं हैं? हैं या नहीं? हैं।

जिज्ञासु – बाबा कुछ आत्मायें, उनको क्या कहेंगे जो बाबा का क्लास खत्म भी नहीं हुआ, क्लास छोड़कर के चले जाते हैं। वो बाबा का रिगार्ड करते हैं या डिसरिगार्ड करते हैं?

बाबा – कोई स्टुडेन्ट पूछ के जाते हैं, परमिशन लेके जाते हैं और कोई स्टुडेन्ट्स बिना परमिशन के चले जाते हैं, तो डिसरिगार्ड हो जाता है।

Time: 39.27-41.51

Student: Baba, it has been said in *Murli* that if someone comes to the class, sits in the front and dozes off, a time will come that he will be made to sit at the back.

Baba: Yes, is it not happening at present that even while sitting in front of the Father they(doze off). The Father is looking at them even while they are looking [at Him]. Is it not happening now? Is it or is it not? It is.

Student: Baba, what about those souls who leave the class and go before Baba ends his class - do they give regard or do they disregard Baba?

Baba: Some students seek permission before leaving and some students leave without seeking permission. So, it amounts to disregard.

जिज्ञासु – बाबा जो उठ के जाते हैं उनको थोड़ा पीछे बैठना चाहिए। आगे बैठने से सब आत्मा बैठते हैं, देखते रहते हैं। एक के जाने से सब पीछे-2 चले जायेंगे।

बाबा – ठीक बात है। आगे बैठे होंगे, उठके चले जायेंगे तो पीछे वाले भी कहेंगे कि हम भी ऐसे ही करें। हमें देख दूसरे भी ऐसे कर्म करेंगे। इसलिए ऐसा कोई कर्म नहीं करना चाहिए

जो हमें देख दूसरे फॉलो करें। तो अच्छी बात है पीछे बैठ जायें। और हाथ उठायें, बाबा को इशारा करें और चले जायें।

जिज्ञासु – बाबा जिसको झुटका आता है वो मुँह धोके बैठना चाहिए।

बाबा – तो नहीं झुटका आता है?

जिज्ञासु – झुटका तो आता है।

बाबा – बाबा तो कहते हैं कि एक ड्रॉपर में सरसों का तेल डाल के रखो। झुटका आये तो आधा बूँद एक आँख में लगा दो।

Student: Baba, those who leave [the class] should sit at the backside. When they sit in the front all those who are sitting, see them [leaving]. If one person departs, others will leave after him.

Baba: It is correct. If someone is sitting in the front and if he gets up and leaves, then those at the back will also think, we too should do the same. Others will also act like us by observing us. This is why, we should not perform any such action that others would follow seeing us. So, it is better if they sit at the back side. And they can raise their hand; give an indication to Baba and leave.

Student: Baba, the ones who doze should wash their face and sit.

Baba: Will they not doze after that?

Student: They do doze [even after washing their face].

Baba: Baba says that keep some mustard oil in a dropper with you. Whenever you doze off, put half a drop of it in one of the eyes.

समय: 42.22

जिज्ञासु— बाबा राम को धारण करनेवाली शक्ति और राम की धारणा शक्ति, इसमें अंतर है या एक है?

बाबा – एक ही बात तो हुई। सीता ने धनुष उठाय लिया और रावण धनुष को हिलाय नहीं सका। कौन सा धनुष हुआ? वो पुरुषार्थ करनेवाला शरीर रूपी धनुष सीता ने उठाय लिया, आराम से, वो भी बायें हाथ से उठाय लिया और सीधे हाथ से लिपाइ करती रही, कीड़े-मकोड़ों की लिपाइ कर दी। तो बायें हाथ में भी इतनी शक्ति है... बायां हाथ अच्छा होता है या बुरा होता है? गंदा काम करनेवाला बायां हाथ होता है। तो बायां हाथ से भी पुरुषार्थ करनेवाला धनुष को ऊँची स्टेज में उठाय लिया, ऐसी शक्ति उस पवित्र आत्मा में थी। और रावण उसको हिलाय भी नहीं सका।

Time: 42.22

Student: Baba, the *shakti* who imbibes [the power of] Ram and the power of assimilation (*dharana*) of Ram, are they different or the same?

Baba: They are one and the same. Sita lifted up the bow and Ravan could not even move it. Which bow was it? Sita very easily lifted the bow like body that makes *purusharth* (special effort for the soul), that too, she lifted it up with her left hand and with her right hand she cleaned the place, she cleaned the insects and spiders off [it]. So there is so much power even in [her] left hand...is the left hand good one or bad one? The left hand is the one that performs unclean tasks. So even with her left hand she lifted up into a high stage that bow like body that makes *purusharth*; that pure soul (Sita) had such powers whereas Ravan could not even move it (the bow).

समय: 47.10–48.03

जिज्ञासु— बाबा जो बोलते हैं ना कि बाबा से प्यार है तो ब्राह्मण परिवार से प्यार है। जिनका ब्राह्मण परिवार से कनेक्शन नहीं हैं और क्लास में एक महीना, दो महीना, तीन महीना जो भी नहीं आते हैं, जो संगठन क्लास भी अटैंड नहीं करते हैं तो बाबा के आने का उनको संदेश देना है या नहीं? कनेक्शन तो कुछ नहीं है।

बाबा —बाबा तो कहते हैं जो दो महीने चिट्ठी भी नहीं लिखते, बाप की नजर में वो मर गये।

जिज्ञासु —वो समझते हैं हमारा तो बाबा के साथ कनेक्शन है। परिवार के साथ क्या कनेक्शन रखना है।

बाबा —ऐसे होता नहीं है। जो बाप को प्यार करेगा वो बाप के परिवार से भी प्यार करेगा।

Time: 47.10-48.03

Student: Baba says that if someone has love for Baba, he should have love for the Brahmin family, doesn't he? Those who do not have connection with the Brahmin family, and do not attend the class for a month or two months or three months, those who don't attend the *sangathan* class (gathering) either, should they be informed about Baba's arrival or not? They do not have any connection.

Baba: Baba says that those who do not even write a letter for two months are considered to be dead in Baba's eyes.

Student: They think that they have a connection with Baba. Where is the need to have a connection with the family.

Baba: It does not happen like that. The one who loves the Father, he/she will love the Father's family as well.

समय: 48.15

जिज्ञासु: बाबा, रामवाली आत्मा का द्वापर से दो दो जन्म पुरुष जन्म होता है और सीतावाली आत्मा का दो दो जन्म स्त्री का होता है। ब्राह्मणों की दुनिया में 36 से पहले जो प्रजापितावाली आत्मा का जन्म था और अभी जो जन्म है वो एक ही कहेंगे? उससे पहले माने जो 1876 में जो जन्म हुआ था, उससे पहले भी एक जन्म था 1857 का जो बहादुर शाह जफर, जो मुघल साम्राज्य का अंत करने का निमित्त बना था, जिसको बाबा रंगीला कहते हैं। उसके तुरंत बाद बाबा ने सेवकराम के रूप में जन्म लिया, 1876 में। तो उसके बाद 1942 में जब उन्होंने शरीर छोड़ा तो फिर से पुरुष जन्म लिया। तो यहां पर तीन जन्म पुरुष के होते हैं, तो 1876 और 1942 का जन्म को एक ही जन्म कहेंगे?

बाबा : क्या कोई आत्मा गर्भ में जन्म लेकर नहीं मर जाती है? तो कौट नहीं करेंगे? या जन्म लेते ही कोई शरीर नहीं छोड़ सकता? (किसी ने कहा एक दो साल) एक दो साल नहीं एक दो दिन।

Time: 48.15

Student: Baba, since the Copper Age, the soul of Ram is born as a male in two consecutive births and the soul of Sita is born as a female in two consecutive births. In the world of Brahmins, the birth of the soul of Prajapita before 36 and his present birth, will they be said to be one? Before that, meaning before the birth in 1876, there was a birth in 1857, as Bahadur Shah Zafar, who was instrumental in bringing an end to the Mughal dynasty, whom Baba calls Rangeela. Immediately after that Baba was born as Sevakram, in 1876. After that, when he left his body in 1942, he was born as a male again. So here we have three births in the form of male, so can we say that the birth in 1876 and in 1942 is only one birth?

Baba: Can a soul not die in the womb? So will you not count it? Or can't [a soul] leave its body immediately after being born? (Someone said: after one or two years) Not one or two years but one or two days.

समय: 55.30–57.14

जिज्ञासु – बाबा, जो गंगा सागर मेला एक बार, और सौ मेले बार-2; उसका मतलब क्या है? बाबा – गंगा में दूसरी नदियाँ आकर मिल जाती हैं। मिलती हैं ना? गोमती हो, घागरा हो, यमुना हो – किसमें आकर मिलती हैं? गंगा में आकर के मिलती है। और गंगा ब्रह्मपुत्रा में आकर के मिलती है। फिर ब्रह्मपुत्रा का नाम क्या पड़ जाता है? पूर्व की साईड से ब्रह्मपुत्रा आती है और पश्चिम की साईड से गंगा आती है। दोनों मिलकर के एक हो जाते हैं, फिर नाम क्या पड़ता है? गंगा नाम रहता है या ब्रह्मपुत्रा नाम रहता है? गंगा ही नाम रहता है। और गंगा जब सागर में मिल जाती है तो गंगा सागर का मेल कहा जाता है। जितनी भी नदियाँ हैं, सागर में ही तो मिलती है। इसलिए वो मेला सबसे बड़ा मेला है जहाँ सारी ही नदियाँ सागर में मिल जाती हैं।

Time: 55.30-57.14

Student: Baba, what is meant by the *Gangasagar* fair takes place once and other fairs take place a hundred times'?

Baba: Other rivers join Ganga (the river Ganges). They join, don't they? Whether it is [river] *Gomti*, *Ghaghra*, *Yamuna*; which river do they join? They come and join Ganga and the river Ganga comes and joins [the river] *Brahmaputra*. Then what name does *Brahmaputra* acquire? *Brahmaputra* comes from the East and Ganges comes from the west. When both of them merge to become one, what name does it acquire? Does the name remain as Ganga or as *Brahmaputra*? The name remains as Ganga. And when Ganga meets the ocean, it is called the meeting of Ganga [and] *sagar* (ocean). All the rivers go and merge with the ocean only. This is why, that fair is the biggest fair, where all the rivers go and merge with the ocean.

समय: 57.50–59.35

जिज्ञासु— बाबा जो क्लारिफिकेशन में बाबा ने दिया सोलह हजार एक सौ आठ में से आधे है शरीर छोड़ने वाले, आधे के शरीर रहने वाले हैं। जो शरीर छोड़ने वाले हैं सोलह हजार एक सौ आठ में से, वो दादा लेखराज और ओम् राधे जैसे आत्मार्ये हैं ना?

बाबा –हाँ जी।

Time: 57.50-59.35

Student: Baba, in a clarification given by Baba [it is said] that among the 16,108 (souls) half of them (8000) are those who leave their bodies and the bodies of the other half (8000) will remain [intact]. The souls who leave their bodies, among the 16,108 souls are souls like Dada Lekhraj and Om Radhey, aren't they?

Baba: Yes.

जिज्ञासु – तो सिर्फ आठ हजार जो हैं स्व शरीर से पुरुषार्थ करने वाले, रॉयल फैमली में जाने वाले है देखा जाये तो?

बाबा – सूर्यवंशी और चंद्रवंशी दोनों का मेल होने से माला तैयार होगी। जो एक सौ आठ की माला हैं वो रुद्रमाला और विजयमाला, सूर्यवंशी और चंद्रवंशियों के मेल से बनती हैं। और जो सोलह हजार एक सौ आठ की माला है, वो कौन बनाते हैं? 108 की माला तो बाप बनाते हैं। कोई और बनाता हैं? बाप बनाते हैं। सोलह हजार की माला कौन बनाते हैं?

जिज्ञासु— यहीं एक सौ आठ।

बाबा— नहीं। सन्यासी बनाते हैं। क्या? वो श्रेष्ठ माला नहीं हैं। वो थर्ड क्लास माला है। उनमें ढेर के ढेर दास-दासियाँ बनने वाले हैं। राजार्ये बनने वाले तो सिर्फ एक सौ आठ हैं। बाकी सब क्या बनने वाले हैं? दास-दासियाँ बनने वाले हैं।

Student: So, if we see, is it so that only eight thousand [souls] make *purusharth* through their bodies and become part of the royal family.

Baba: The rosary will be prepared through the combination of the *Suryavanshis* (those of the Sun dynasty) and the *Chandravanshis* (those of the Moon dynasty). The rosary of the 108 is prepared by the combination of the *Rudramala* (the rosary of *Rudra*) and the *Vijaymala* (the rosary of victory), *Suryavanshis* and *Chandravanshis*. And who prepares the rosary of 16,108? The Father prepares the rosary of 108. Does anyone else prepare it? The Father prepares it. Who prepares the rosary of 16,108?

Student: These 108 (souls).

Baba: No. The *Sanyasis* prepare it. What? That is not a righteous rosary. That is a third class rosary. It includes many who will become servants and maids (*das-daasi*). Those who become kings are just 108. What will all the others become? They will become servants and maids.

.....
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.